



WEST BENGAL STATE UNIVERSITY
B.A. General PART-II Examinations, 2018

SANSKRIT-GENERAL
PAPER-SANG-II

Time Allotted: 3 Hours

Full Marks: 100

*The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.*

Unit-I

[Marks: 40]

1. Answer any *one* question from the following: 12×1 = 12
নিম্নলিখিত যে-কোনো *একটি* প্রশ্নের উত্তর দাওঃ
(a) “Kalidasa is a poet of nature” — Discuss.
“কালিদাস প্রকৃতির কবি।” — আলোচনা করো।
(b) Discuss the importance of the role of Vīdūṣaka in the Abhijñānaśakuntalam.
‘অভিজ্ঞানশকুন্তলম্’ নাটকে বিদূষকের গুরুত্ব পর্যালোচনা করো।
(c) Narrate the Fisherman episode in the drama Abhijñānaśakuntalam. What light does it throw on the social and administrative system in India?
‘অভিজ্ঞানশকুন্তলম্’ নাটকের ধীবর বৃত্তান্তটি বর্ণনা করো। এই বৃত্তান্তটির মাধ্যমে প্রাচীন ভারতীয় সমাজ ও শাসনব্যবস্থা কীভাবে প্রকাশিত হয়েছে ?
2. Write short notes on any *four* of the following: 2×4 = 8
নিম্নলিখিত যে-কোনো *চারটি* বিষয়ের উপর সংক্ষিপ্ত টীকা লেখোঃ
মরতবাক্যম্, গান্ধর্ববিবাহঃ, সর্বদমনঃ, কুলপতিঃ, করমকঃ, বসুমতী।
3. Translate into Bengali or English any *two* of the following verses: 6×2 = 12
নিম্নলিখিত শ্লোকগুলির মধ্যে যে-কোনো *দুটির* বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ
(a) চিত্রে নিবেহয় পরিকল্পিতসত্ত্বযোগা
রূপোচ্চয়েন মনসা বিধিনা কৃতা নু।
স্ত্রীরল্লসৃষ্টিরপরা প্রতিম্বাতি সা মে
ধাতুর্বিম্বুত্বমনুচিন্ত্য বপুহুচ তস্যাঃ ॥

- (b) भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमैर्नवाम्बुभिर्दूरविलम्बिनी घनाः।
अनुद्धताः सतपुरुषाः समृद्धिभिः स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्॥
- (c) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्॥
- (d) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया
निष्कम्पचामरशिखा निभृतोर्ध्वकर्णाः।
आत्मोद्धतैरपि रजोभिरलङ्घनीया
घावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेव रथ्याः॥

4. Explain with reference to the context any *one* of the following:

8×1 = 8

নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা করো:

- (a) आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥
- (b) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जाती ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा॥
- (c) शमप्रधानेषु तपोधनेषु गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्तास्तदन्यते जोऽभिभवाद् वमन्ति॥

Unit-II

[Marks: 30]

5. (a) Discuss the qualities of King Dilipa as found in Raghuvamśa, Canto-I

12

রঘুবংশের প্রথম সর্গ অনুসারে দিলীপের গুণাবলী আলোচনা করো।

OR / অথবা

(b) Give the description of the hermitage of Vaśiṣṭha as found in Raghuvamśa Canto-I. Reproduce the conversation between King Dilipa and Vaśiṣṭha after his arrival in the hermitage.

রঘুবংশ মহাকাব্যের প্রথম সর্গস্থিত বশিষ্ঠাশ্রমের বর্ণনা দাও। বশিষ্ঠাশ্রমে সমাগত হয়ে মহারাজ দিলীপের সঙ্গে বশিষ্ঠের যে কথোপকথন হয়েছিল তা লেখো।

6. Write short note on any *two* of the following: 2×2 = 4
নিম্নলিখিত যে-কোনো দুটি বিষয়ের উপর সংক্ষিপ্ত টীকা লেখোঃ
সঞ্জীবনী, মেদিনী, আকাশগঙ্গা, বশিষ্ঠ:।
7. Translate into Bengali or English any *one* of the following verses: 6×1 = 6
নিম্নলিখিত শ্লোকগুলির মধ্যে যে-কোনো একটি শ্লোকের বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ
- (a) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ॥
- (b) भीमकान्तैर्नृपगुणैः स बभूवोपजीविनाम्।
अघृष्यश्चाभिगम्यश्च यादोरत्नैरिवार्णवः ॥
8. Explain with reference to the context any *one* from the following verses: 8×1 = 8
নিম্নলিখিত যে-কোনো একটি শ্লোকের সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা লেখোঃ
- (a) प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो वलिमग्रहीत्।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः ॥
- (b) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्धाहुरिव वामनः ॥

Unit-III

[Marks: 20]

9. (a) Give the resulting forms of any *six* of the following: 1×6 = 6
নিম্নলিখিত যে-কোনো ছয়টির পরিনিষ্ঠিত রূপ লেখোঃ
- (i) आ-गम् + ल्यप्; (ii) शी + क्त्वाच्; (iii) सरमा + ढक्; (iv) सह + तुमुन्;
(v) उत्-स्था + ल्यप्; (vi) वृध् + शानच्; (vii) पच् + क्त; (viii) वच् + ष्यत्;
(ix) जि + यत्; (x) ग्रह् + तव्य; (xi) चित् + मयद्; (xii) अस् + शत्।

(b) Substitute single words for any *six* of the following: 1×6 = 6

নিম্নলিখিত যে-কোনো ছয়টি শব্দের এককথায় প্রকাশ করো:

- (i) माता च पिता च; (ii) लक्ष्मीरस्य अस्ति; (iii) समायां साधुः; (iv) नद्याः समीपे;
 (v) पुत्रेण सह वर्तमानः; (vi) भूतपूर्वः अध्यापकः; (vii) पुनः पुनः रोदिति;
 (viii) प्रणामात् अनन्तरम्; (ix) मनोः पत्नी; (x) पूर्वम् अहः; (xi) कुत्सितः पन्थाः;
 (xii) द्वौ वा त्रयो वा ।

(c) Name and expound the samāsa in any *four* from the following: 2×4 = 8

নিম্নলিখিত যে-কোনো চারটির ব্যাসবাক্যসহ সমাস নির্ণয় করো:

- (i) नरसिंहः; (ii) हस्तपादम्; (iii) दुर्मिक्षम्; (iv) कृष्णाश्रितः; (v) प्रतिदिनम्;
 (vi) वनान्तरम्; (vii) युवजानिः; (viii) राजहंसः; (ix) अष्टाध्यायी; (x) सत्यवादी ।

Unit-IV

[Marks: 10]

10. Translate any *one* from the following verses into Bengali or English: 10×1 = 10

নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদগুলির মধ্যে যে-কোনো একটির বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করো:

- (a) विपदसम्भावनाम् अवगम्य प्रागेव तत्प्रतीकारार्थं यतितव्यम्। यदि कोऽपि समागतायां विपदि प्रतीकाराय यतते तर्हि तस्य यत्नो विफलो भवति। समुपस्थिता विपत् सर्वथा तस्य विनाशं साधयति। विपत्काले जनानां बुद्धिभ्रंशो भवति। सुकरोऽपि प्रतीकारो विपन्नस्य मनसि सहसा नावभासते। अतएव प्राज्ञो जनः प्रागेव सम्भाव्यानां विपदां प्रतीकारं चिन्तयेत्।
- (b) ततः प्रातः सर्वे यथाभिमतां देशं गताः। एकदा तेन जम्बुकेन सुनिभृतमुक्तम्—सखे मृग! एतस्मिन् वनैकदेशे शस्यपूर्णं क्षेत्रमस्ति। अहं त्वां नीत्वा दर्शयामि तथा कृते सति मृगः प्रत्यहं शस्यं खादति। क्षेत्रपतिना च तद् दृष्ट्वा पाशस्तत्र नियोजितः। अनन्तरं पुनरागतो मृगः पाशैर्बद्धोरचिन्तयत् — को मामितः कालपाशादिव व्याधपाशात् त्रातुं मित्रादन्यः समर्थः ?